गृह विज्ञान महाविद्यालय के वस्त्र एवं परिधान विभाग में हुआ एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

दि ग्राम टुडे,कानपुर।
(संजय मौर्य)

चन्द्र शेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय मे गृह विज्ञान महाविद्यालय के 'वस्त्र एवं परिधान विभाग' में एक दिवसीय कार्यशाला 'ट्रेडिशनल ग्लोबल आर्ट फॉर्म्स : इकत एवं मधुबनी' का आयोजन विभाग के 'डाइंग एवं प्रिंटिंग' लैब में किया गया।

कार्यशाला का शुभारम्भ वस्त्र एवं परिधान विभाग की प्रभारी डॉक्टर अर्चना सिंह की उपस्थिति में किया गया।कार्यशाला की शुरूवात मधुबनी और इकत कला के ऐतिहासिक परिचय से हुआ ।इस अवसर पर छात्राओं को सबसे पहले विभिन्न प्रकार की मधुबनी डिजाइंस का प्रशिक्षण विभाग की शिक्षिका डा.इति दुबे के द्वारा दिया गया। जिसके बाद फेविक्रिल कंपनी की आर्ट एक्सपर्ट पारुल अग्रवाल के द्वारा मधुबनी कला की विभिन्न डिजाइनों में आकर्षक ढंग से रंग भरने की कलाकारी सिखाई गई। कम्यूनिटी साइंस के स्नातक द्वितीय, तृतीय एवं चतुर्थ वर्ष की छात्राओं ने बड़ी ही रुचि से मधुबनी की डिजाइंस को पाउच पर पेंट करना सीखा ' कार्यशाला का आयोजन डा. इति दुबे के अथक प्रयास एवं कुशल नेतृत्व में हुआ। इस कार्यशाला का उद्देश्य मधुबनी और इकत जैसी पारंपरिक कला रूपों को बढ़ावा देना एवं महिला सशक्तिकरण के साथ साथ उद्योग को बढ़ावा देना भी था। कार्यशाला की सफलता ने यह साबित किया कि पारंपरिक कला रूप अभी भी हमारी संस्कृति का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं।

अंक-231 कानपुर, बुधवार 23 अक्टूबर 2024 पृष्ठ-8

दैनिक

आज का कानपुर

कानपुर से प्रकाशित लखनऊ, उन्नाव, सीतापुर, लखीमपुर खीरी, हमीरपुर, मौदहा, बांदा, फतेहपुर, प्रयागराज, इटावा, कन्नौज, गाजीपुर, कानपुर देहात, सुल्तानपुर, अमेठी, बहराइच में प्रसारित

गृह विज्ञान महाविद्यालय के वस्त्र एवं परिधान विभाग में हुआ एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

आज का कानपुर

कानपुर । चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय मे गृह विज्ञान महाविद्यालय के %वस्त्र एवं परिधान विभाग% में एक दिवसीय कार्यशाला %ट्रेडिशनल ग्लोबल आर्ट फॉर्म्स = इकत एवं मधुबनी% का आयोजन विभाग के %डाइंग एवं प्रिंटिंग% लैब में किया गया। कार्यशाला का शुभारम्भ वस्त्र एवं परिधान विभाग की प्रभारी डॉक्टर अर्चना सिंह की उपस्थिति में किया गया ।कार्यशाला की शुरूवात मधुबनी और इकत कला के ऐतिहासिक परिचय से हुआ ।इस अवसर पर छात्राओं को सबसे पहले विभिन्न प्रकार की मधुबनी डिजाइंस का प्रशिक्षण विभाग की शिक्षिका डा.इति दुबे के द्वारा दिया गया। जिसके बाद फेविक्रिल कंपनी की आर्ट एक्सपर्ट पारुल अग्रवाल के द्वारा मधुबनी कला की विभिन्न डिजाइनों में आकर्षक ढंग से रंग भरने की कलाकारी सिखाई गई। कम्यूनिटी साइंस के स्नातक द्वितीय, तृतीय एवं चतुर्थ वर्ष की छात्राओं ने बड़ी ही रुचि से मधुबनी की डिजाइंस को पाउच पर पेंट करना सीखा कार्यशाला का आयोजन डा. इति दुबे के अथक प्रयास एवं कुशल नेतृत्व में हुआ। इस कार्यशाला का उद्देश्य मधुबनी और इकत जैसी पारंपरिक कला रूपों को बढ़ावा देना एवं महिला सशक्तिकरण के साथ साथ उद्योग को बढ़ावा देना भी था। कार्यशाला की सफलता ने यह साबित किया कि पारंपरिक कला रूप अभी भी हमारी संस्कृति का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं।

मधुबनी डिजाइनों पर रंग भरना सीखा

कानपुर : सीएसए कृषि विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान महाविद्यालय के वस्त्र एवं परिधान विभाग में ट्रेडिशनल ग्लोबल आर्ट फार्म्स : इकत एवं मधुबनी' विषय पर कार्यशाला की गई। विभाग के डाइंग एवं प्रिंटिंग लैब में छात्राओं को मधुबनी डिजाइन में रंग भरने की कला सिखाई गई। शिक्षिका डा. इति दुबे ने छात्राओं को विभिन्न प्रकार की मधुबनी डिजाइनों का प्रशिक्षण दिया गया।

इस दौरान, फेविक्रिल कंपनी की आर्ट एक्सपर्ट पारुल अग्रवाल ने विद्यार्थियों को मधुबनी कला की विभिन्न डिजाइनों में आकर्षक ढंग से रंग भरने की कलाकारी सिखाई। कम्युनिटी साइंस के स्नातक द्वितीय, तृतीय एवं चतुर्थ वर्ष की छात्राओं ने पाउच पर पेंट करना सीखा। विभाग की प्रभारी डा. अर्चना सिंह मौजूद रहीं। (वि.)

पैथोलाजिक

का रिपो

जीएसवीएम मेडिकल कालेज के एलएलआर अस्पताल की पैथोलाजी की जांच रिपोर्ट प 18 जिलों से आने वाले मरी का भरोसा बढ़ा है। यही का है कि बीते सितंबर माह में ह पैथोलाजी में 3,59,345 जां हैं। पिछले पांच माह में यह 3 16 लाख से अधिक तक पह है। एलएलआर की पैथोलाज

10 से 12 हजार जांच का आंकड़ा प्रतिदिन, 55 जांच की मिल रही सु

दैनिक जागरण आई नेक्स्ट 23/10/2024

स्टूडेंट्स ने सीखा मधुबनी डिजाइनों पर रंग भरना

KANPUR (22 Oct): सीएसए एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटी के होम साइंस कॉलेज के वस्त्र एवं परिधान विभाग में ट्रेडिशनल ग्लोबल आर्ट फार्म्स 'इकत एवं मधुबनी' विषय पर वर्कशॉप आर्गनाइज हुई. डिपार्टमेंट के डाइंग एवं प्रिंटिंग लैब में टीचर डॉ. इति दुबे ने स्टूडेंट्स को विभिन्न प्रकार की मधुबनी डिज़ाइनों का प्रशिक्षण दिया. फेविक्रिल कंपनी की आर्ट एक्सपर्ट पारुल अग्रवाल ने मधुबनी कला की विभिन्न डिजाइनों में आकर्षक ढंग से रंग भरने की कलाकारी सिखाई. कम्यूनिटी साइंस के स्नातक द्वितीय, तृतीय एवं चतुर्थ वर्ष की स्टूडेंट्स ने पाउच पर पेंट करना सीखा. इसका उद्देश्य मधुबनी और इकत जैसी पारंपरिक कला रूपों को बढ़ावा देना एवं महिला सशक्तिकरण के साथ उद्योग को बढ़ावा देना भी था. यहां डॉ. अर्चना सिंह भी मौजूद रहीं.

अमर उजाला 23/10/2024

चौहान, अनिल आदि मौजूद रहे। (संवाद)

मधुबनी की डिजाइन पेंट करना सिखाया

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में गृह विज्ञान महाविद्यालय के वस्त्र एवं परिधान विभाग में ट्रेडिशनल ग्लोबल आर्ट फॉर्म्स : इकत एवं मधुबनी विषय पर मंगलवार को कार्यशाला का आयोजन किया गया। शुभारंभ वस्त्र एवं परिधान विभाग की प्रभारी डॉ. अर्चना सिंह ने किया। डॉ. इति दुबे ने छात्राओं को मधुबनी डिजाइन के बारे में बताया। कम्यूनिटी साइंस के स्नातक द्वितीय, तृतीय एवं चतुर्थ वर्ष की छात्राओं ने मधुबनी डिजाइन को पाउच पर पेंट करना सीखा। (ब्यूरो)

गृह विज्ञान महाविद्यालय के वस्त्र एवं परिधान विभाग में हुआ एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

कानपुर (नगर छाया समाचार)। चन्द्र शेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय मे गृह विज्ञान महाविद्यालय के %वस्त्र एवं परिधान विभाग% में एक दिवसीय कार्यशाला %ट्रेडिशनल ग्लोबल आर्ट फॉर्म्स ~ इकत एवं मधुबनी% का आयोजन विभाग के %डाइंग एवं प्रिंटिंग% लैब में किया गया। कार्यशाला का शुभारम्भ वस्त्र एवं परिधान विभाग की प्रभारी डॉक्टर अर्चना सिंह की उपस्थिति में किया गया।कार्यशाला की शुरूवात मधुबनी और इकत कला के ऐतिहासिक परिचय से हुआ ।इस अवसर पर छात्राओं को सबसे पहले विभिन्न प्रकार की मधुबनी डिजाइंस का प्रशिक्षण विभाग की शिक्षिका डा.इति दुबे के द्वारा दिया गया। जिसके बाद फेविक्रिल कंपनी की आर्ट एक्सपर्ट पारुल अग्रवाल के द्वारा मधुबनी कला की विभिन्न डिजाइनों में आकर्षक ढंग से रंग भरने की कलाकारी सिखाई गई। कम्यूनिटी साइंस के स्नातक द्वितीय, तृतीय एवं चतुर्थ वर्ष की छात्राओं ने बड़ी ही रुचि से मधुबनी की डिजाइंस को पाउच पर पेंट करना सीखा द्य कार्यशाला का आयोजन डा. इति दुबे के अथक प्रयास एवं कुशल नेतृत्व में हुआ। इस कार्यशाला का उद्देश्य मधुबनी और इकत जैसी पारंपरिक कला रूपों को बढ़ावा देना एवं महिला सशक्तिकरण के साथ साथ उद्योग को बढ़ावा देना भी था। कार्यशाला की सफलता ने यह साबित किया कि पारंपरिक कला रूप अभी भी हमारी संस्कृति का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं।

हिंदी दैनिक

रहस्य संदेश

अंक-295 बुधवार, 23 अक्टूबर 2024 लखनऊ व एटा से प्रकशित R.N.I. No.: UPHIN/2007/20715 पृष्ठ- 4 मूल्य-

गृह विज्ञान महाविद्यालय के वस्त्र एवं परिधान विभाग में हुआ एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

रहस्य संदेश ब्यूरो

कानपुर - चन्द्र शेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय मे गृह विज्ञान महाविद्यालय के %वस्त्र एवं परिधान विभाग% में एक दिवसीय कार्यशाला %ट्रेडिशनल ग्लोबल आर्ट फॉर्म्स = इकत एवं मधुबनी% का आयोजन विभाग के %डाइंग एवं प्रिंटिंग% लैब में किया गया।

कार्यशाला का शुभारम्भ वस्त्र एवं परिधान विभाग की प्रभारी डॉक्टर अर्चना सिंह की उपस्थिति में किया गया ।कार्यशाला की शुरूवात मधुबनी और इकत कला के ऐतिहासिक परिचय से हुआ ।इस अवसर पर छात्राओं को सबसे पहले विभिन्न प्रकार की मधुबनी डिजाइंस का प्रशिक्षण विभाग की शिक्षिका डा.इति दुबे के द्वारा दिया गया। जिसके बाद फेविक्रिल कंपनी की आर्ट एक्सपर्ट पारुल अग्रवाल के द्वारा मधुबनी कला की विभिन्न डिजाइनों में आकर्षक ढंग से रंग भरने की कलाकारी सिखाई गई।

कम्यूनिटी साइंस के स्नातक द्वितीय, तृतीय एवं चतुर्थ वर्ष की छात्राओं ने बड़ी ही रुचि से मधुबनी की डिजाइंस को पाउच पर पेंट करना सीखा द्य कार्यशाला का आयोजन डा. इति दुबे के अथक प्रयास एवं कुशल नेतृत्व में हुआ। इस कार्यशाला का उद्देश्य मधुबनी और इकत जैसी पारंपरिक कला रूपों को बढ़ावा देना एवं महिला सशक्तिकरण के साथ साथ उद्योग को बढ़ावा देना भी था। कार्यशाला की सफलता ने यह साबित किया कि पारंपरिक कला रूप अभी भी हमारी संस्कृति का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं।

राष्ट्रीय सहारा

कानपुर • बुधवार • 23 अक्टूबर • 2024

सीएसए में छात्राओं ने सीखीं मधुबनी कला की डिजाइन्स

कानपुर (एसएनबी)। चन्द्र शेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में मंगलवार को गृह विज्ञान महाविद्यालय के वस्त्र एवं परिधान विभाग में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

ट्रेडिशनल म्यूजियम आर्ट फॉर्म्स : इकत एवं मधुबनी के अंतर्गत कार्यशाला का शुभारम्भ वस्त्र एवं परिधान विभाग की प्रभारी डॉ. अर्चना सिंह की उपस्थिति में किया गया। कार्यशाला का शुभारम्भ मधुबनी और इकत कला के ऐतिहासिक परिचय से हुआ। इस अवसर पर छात्राओं को सबसे पहले विभिन्न प्रकार की मधुबनी डिजाइन का प्रशिक्षण दिया गया। इसके बाद फेबिक्रिल कंपनी की आर्ट एक्सपर्ट पायल अग्रवाल द्वारा मधुबनी कला की विभिन्न डिजाइनों में आकर्षक ढंग से रंग भरने का प्रशिक्षण दिया गया।

कम्युनिटी साइंस के स्नातक, द्वितीय, तृतीय एवं चतुर्थ वर्ष की छात्राओं ने बड़ी ही रुचि से मधुबनी की डिजाइन्स को फाइल पर पेंट करना सीखा। कार्यशाला का आयोजन डॉ. ऋतु दुबे के नेतृत्व में हुआ। इस कार्यशाला का उद्देश्य मधुबनी और इकत जैसी पारंपरिक कला को बढ़ावा देना एवं महिला सशक्तिकरण के माध्यम से उद्योग को बढ़ावा देना भी था।

कानपुर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित वर्ष : 16 अंक : 113 कानपुर, बुधवार 23 अक्टूबर 2024 नगर संस्करण पृष्ठ 12 मूल्य : 2.00 रुपए

राष्ट्रीय स्वरूप

कार्यशाला में विभिन्न डिजाइनों में आकर्षक ढंग से रंग भरने की सिखाई गई कलाकारी

कानपुर । चन्द्र शेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय मे गृह विज्ञान महाविद्यालय के %वस्त्र एवं परिधान विभाग% में एक दिवसीय कार्यशाला %ट्रेडिशनल ग्लोबल आर्ट फॉर्म्स = इकत एवं मधुबनी% का आयोजन विभाग के %डाइंग एवं प्रिंटिंग% लैब में किया गया। कार्यशाला का शुभारम्भ वस्त्र एवं परिधान विभाग की प्रभारी डॉक्टर अर्चना सिंह की उपस्थिति में किया गया।कार्यशाला की शुरूवात मधुबनी और इकत कला के ऐतिहासिक परिचय से हुआ ।इस अवसर पर छात्राओं को सबसे पहले विभिन्न प्रकार की मधुबनी डिजाइंस का प्रशिक्षण विभाग की शिक्षिका डा.इति दुबे के द्वारा दिया गया। जिसके बाद फेविक्रिल कंपनी की आर्ट एक्सपर्ट पारुल अग्रवाल के द्वारा मधुबनी कला की विभिन्न डिजाइनों में आकर्षक ढंग से रंग भरने की कलाकारी सिखाई गई। कम्यूनिटी साइंस के स्नातक द्वितीय, तृतीय एवं चतुर्थ वर्ष की छात्राओं ने बड़ी ही रुचि से मधुबनी की डिजाइंस को पाउच पर पेंट करना सीखा द्य कार्यशाला

का आयोजन डा. इति दुबे के अथक प्रयास एवं कुशल नेतृत्व में हुआ। इस कार्यशाला का उद्देश्य मधुबनी और इकत जैसी पारंपरिक कला रूपों को बढ़ावा देना एवं महिला सशक्तिकरण के साथ साथ उद्योग को बढ़ावा देना भी था। कार्यशाला की सफलता ने यह साबित किया कि पारंपरिक कला रूप अभी भी हमारी संस्कृति का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं।

छात्राओं ने सीखीं मधुबनी व इकत कला की बारीकियां

गृह विज्ञान महाविद्यालय के वस्त्र एवं परिधान विभाग में हुआ एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

कार्यशाला में उपस्थित छात्रायें।

कानपुर, 22 अक्टूबर। चन्द्र शेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय मे गृह विज्ञान महाविद्यालय के वस्त्र एवं परिधान विभाग में एक दिवसीय कार्यशाला ट्रेडिशनल ग्लोबल आर्ट फॉर्म्स - इकत एवं मधुबनी का आयोजन विभाग के च्डाइंग एवं प्रिंटिंग लैब में किया गया। कार्यशाला का शुभारम्भ वस्त्र एवं परिधान विभाग की प्रभारी डॉक्टर अर्चना सिंह ने किया। कार्यशाला की शुरूआत में मधुबनी और इकत कला के ऐतिहासिक परिचय से हुआ । इस अवसर पर छात्राओं को सबसे पहले विभिन्न प्रकार की मधुबनी डिजाइंस का प्रशिक्षण विभाग की शिक्षिका डा.इति दुबे के द्वारा दिया गया। जिसके बाद फेविक्रिल कंपनी की आर्ट एक्सपर्ट पारुल अग्रवाल ने मधुबनी कला की विभिन्न डिजाइनों में आकर्षक ढंग से रंग भरने की कलाकारी सिखाई गई। कम्यूनिटी साइंस के स्नातक द्वितीय, तृतीय एवं चतुर्थ वर्ष की छात्राओं ने बड़ी ही रुचि से मधुबनी की डिजाइंस को पाउच पर पेंट करना सीखा। कार्यशाला का आयोजन डा. इति दुबे के अथक प्रयास एवं कुशल नेतृत्व में हुआ। इस कार्यशाला का उद्देश्य मधुबनी और इकत जैसी पारंपरिक कला रूपों को बढ़ावा देना एवं महिला सशक्तिकरण के साथ साथ उद्योग को बढ़ावा देना भी था। पारंपरिक कला रूप अभी भी हमारी संस्कृति का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं।

कानपुर से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

सदैव सच के साथ...

समाज का साथी

मूल्य 2:00/- रुपए || कानपुर || बुधवार || 23 अक्टूबर 2024

कार्यशाला में विभिन्न डिजाइनों में आकर्षक ढंग से रंग भरने की सिखाई गई कलाकारी

कानपुर। चन्द्र शेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय मे गृह विज्ञान महाविद्यालय के वस्त्र एवं परिधान विभाग में एक दिवसीय कार्यशाला ट्रेडिशनल ग्लोबल आर्ट फॉर्म्स : इकत एवं मधुबनी का आयोजन विभाग के डाइंग एवं प्रिंटिंग लैब में किया गया। कार्यशाला का शुभारम्भ वस्त्र एवं परिधान विभाग की प्रभारी डॉक्टर अर्चना सिंह की उपस्थिति में किया गया।कार्यशाला की शुरूवात मधुबनी और इकत कला के ऐतिहासिक परिचय से हुआ ।इस अवसर पर छात्राओं को सबसे पहले विभिन्न प्रकार की मधुबनी डिजाइंस का प्रशिक्षण विभाग की शिक्षिका डा.इति दुबे के द्वारा दिया गया। जिसके बाद फेविक्रिल कंपनी की आर्ट एक्सपर्ट पारुल अग्रवाल के द्वारा मधुबनी कला की विभिन्न डिजाइनों में आकर्षक ढंग से रंग भरने की कलाकारी सिखाई गई। कम्यूनिटी साइंस के स्नातक द्वितीय, तृतीय एवं चतुर्थ वर्ष की छात्राओं ने बड़ी ही रुचि से मधुबनी की डिजाइंस को पाउच पर पेंट करना सीखा। कार्यशाला का आयोजन डा. इति दुबे के अथक प्रयास एवं कुशल नेतृत्व में हुआ। इस कार्यशाला का उद्देश्य मधुबनी और इकत जैसी पारंपरिक कला रूपों को बढ़ावा देना एवं महिला सशक्तिकरण के साथ साथ उद्योग को बढ़ावा देना भी था।